भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 273
बुधवार, 27 नवंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

अंतरिक्ष क्षेत्र स्टार्ट-अप निधि

273. श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केंद्र सरकार ने देश में अंतरिक्ष क्षेत्र केंद्रित स्टार्ट-अप को सहायता देने के लिए इन-स्पेस कार्यक्रम के अंतर्गत 1000 करोड़ रुपए के उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस स्वीकृत निधि को किस तरीके से खर्च किए जाने की संभावना है और स्टार्ट-अप का चयन करने के लिए किन मानदंडों का पालन किया जाएगा;

(ग) प्रस्तावित निधि किस तरह से संपूर्ण अंतरिक्ष आपूर्ति श्रृंखला में विभिन्न स्टार्ट-अप के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देगी;

(घ) इस निधि के माध्यम से कुशल कार्यबल तैयार करने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(ङ) उक्त निधि किस प्रकार देश में प्रतिभाओं को बढ़ाने में मदद करेगी और अन्य देशों में प्रतिभाओं को जाने से रोकेगी?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए समर्पित 1000 करोड़ रुपये के उद्यम पूंजी कोष को मंजूरी दी है। यह 1000 करोड़ रुपये का उद्यम पूंजी कोष अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए भारतीय रणनीतिक दृष्टि से तैयार किया गया है और वर्ष 2020 के अंतरिक्ष सुधारों के अंतर्गत निर्धारित किए गए लक्ष्यों में सहायता प्रदान करता है। यह कोष अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के उच्च-जोखिम, उच्च-प्रतिफल वाले क्षेत्र में कार्यशील निजी कंपनियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु अभिकल्पित है।

(ख) इसकी प्रक्रियाएं तथा कोष प्रबंधकों के अनुभाग तय किए जा रहे हैं।

(ग) एक मजबूत परितंत्र का सृजन इस कोष के महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है जो कि रोजगार सृजन को बढ़ावा देता है और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करता है। इस कोष से प्राप्त होने वाले लाभ हैं -

<u>प्रत्यक्ष रोजगार</u> : इंजीनियरी, डेटा विश्लेषण, सॉफ्टवेयर विकास, विनिर्माण, और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में वृद्धि की संभावना है। प्रत्येक निवेश से इन उच्च-कौशल वाले क्षेत्रों में प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

<u>अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर</u> : लॉजिस्टिक्स, व्यावसायिक सेवाओं तथा आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन से जुड़े क्षेत्रों में भी अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे। ये नौकरियां व्यापार संबंधी विनिर्माण इकाइयों को ऊपर उठाने से उत्पन्न बढ़ी हुई मांग के कारण पैदा होंगी।

(घ) अंतरिक्ष क्षेत्र में कुशल कार्यबल को प्रोत्साहित करके यह कोष संधारणीय प्रतिभा पूल की स्थापना, भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में वृद्धि और कुशल व्यावसायियों के माध्यम से नवाचार को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखता है।

(ङ) बहुत से भारतीय स्टार्ट-अप्स बेहतर वित्तीय अवसरों के कारण बाहर चले जाते हैं। यह कोष प्रतिभा को देश में रोकने का काम करेगा, प्रतिभा पलायन को रोकेगा और देश में उभरी अंतरिक्ष कंपनियों की वृद्धि को प्रोत्साहित करेगा।

चूंकि पारंपरिक ऋण दाता इस उच्च प्रौद्योगिकी वाले क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए निधि प्रदान करने में हिचकिचाते हैं, जोखिम भरी पूंजी की क्रांतिक आवश्यकता को पूरा करना इस कोष का लक्ष्य है। मूल्य श्रृंखला में आने वाले लगभग 250 अंतरिक्ष स्टार्टअप्स की दृष्टि से उनकी वृद्धि को सुनिश्चित करने तथा प्रतिभा के विदेश गमन की क्षति को रोकने के लिए समय से वित्तीय सहायता प्रदान करना महत्वपूर्ण है। प्रस्तावित सरकारी कोष निवेषक के आत्मविश्वास को बढ़ाएगा, निजी पूंजी को आकर्षित करेगा और अंतरिक्ष सुधारों को आगे बढ़ाने हेतु सरकार की प्रतिबद्धता को व्यक्त करेगा। यह स्टार्ट-अप्स को प्रारंभिक चरण के शेयर मूल्य प्रदान करके तथा निजी शेयर निवेशों के लिए और आगे बढ़ने में उन्हें सक्षम बनाते हुए सेबी के विनियमों के अंतर्गत एक वैकल्पिक निवेश निधि के रूप में कार्य करेगा।

***